भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
26.11.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 568

विकिरण उत्सर्जन

568. श्री निनोंग इरिंग :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के परमाणु रिएक्टरों से अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तुलना में अधिक विकिरण का उत्सर्जन होता है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या परमाणु विद्युत संयंत्रों में सुरक्षा को उन्नत बनाने के लिए बनाई गई प्रौद्योगिकी भारत जैसे विकासशील देशों के लिए अत्यधिक महंगी है; और

(घ) यदि हाँ, तो इसे आर्थिक रूप से अर्थक्षम बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, नहीं।

(ख) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं। इष्टतम लागत पर बहुत से संरक्षा अपग्रेड तैयार किए गए हैं, और उन्हें मौजूदा नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों में स्थापित किया गया है, ताकि उन्हें संरक्षा संबंधी आधुनिकतम विशेषताओं के बराबर लाया जा सके। इन संरक्षा अपग्रेडों को, परमाणु ऊर्जा विभाग के यूनिटों में इन-हाउस विकसित की गईं स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को काम में लाकर और भारतीय उद्योगों के साथ सहयोग करके क्रियान्वित किया गया है। ऐसे अपग्रेडों की लागत, प्रगत देशों में इस संबंध में किए गए व्यय की तुलना में काफी कम है।

(घ) ऊपर 'ग' के उत्तर के मद्दे नज़र यह प्रश्न ही नहीं उठता।

* * * * * * *